निमाड़ उत्सव में काठी, गणगौर और कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति

कार्यक्रम में राष्ट्रकवि सम्मेलन का आयोजन

नवभारत न्यूज़

महेश्वर। महेश्वर के देवी अहिल्या घाट पर चल रहे तीन दिवसीय निमाड़ उत्सव के अंतिम दिन सोमवार को विधायक श्री राजकुमार मेव के मुख्य आतिथ्य में निमाड़ी कलाकारों द्वारा काठी, गणगौर और कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। खंडवा के श्री रामदास साकल्ले और समूह ने काठी नृत्य और श्रीमती अनुजा जोशी और समूह ने गणगौर नृत्य की प्रस्तुति दी। खरगोन की विख्यात नृत्यांगना श्रीमती गौरी देशमुख और साथियों द्वारा कथक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में राष्ट्रकवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसका संचालन श्री बुद्धिप्रकाश दाधीच ने किया। इससे पूर्व लाइट एंड साउंड शो की भी प्रस्तुति हुई, जिसके माध्यम से महेश्वर के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला गया। विधायक श्री मेव ने निमाड़ उत्सव की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। श्री रामदास साकल्ले और समूह ने काठी नृत्य के माध्यम से शिवपार्वती आराधना की आकर्षक प्रस्तुति दी। श्रीमती अनुजा जोशी और समूह ने निमाड़ के

प्रसिद्ध लोकनृत्य गणगौर की विविध विधाओं की प्रस्तुति दी। दर्शकों ने इन प्रस्तुतियों के माध्यम से अद्भुत निमाड़ी संस्कृति के दर्शन का आनंद लिया। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त श्रीमती गौरी देशमुख व समूह की नर्मदाष्टकम् और श्रीकृष्ण कथक की प्रस्तुति को उपस्थित कलाप्रेमियों ने खूब सराहा, जिसमें मां नर्मदा की स्तुति और श्रीकृष्ण की लीलाओं का कलात्मक चित्रण किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रकवियों के काव्यपाठ ने श्रोताओं के बीच सांस्कृतिक गौरव का संचार किया। मुंबई के श्री सुदीप भोला, इंदौर की डॉ भुवन मोहिनी, भोपाल के श्री राम भदावर ओज, खरगोन के डॉ शंभूसिंह मनहर, और महेश्वर के श्री नरेंद्र श्रीवास्तव अटल की

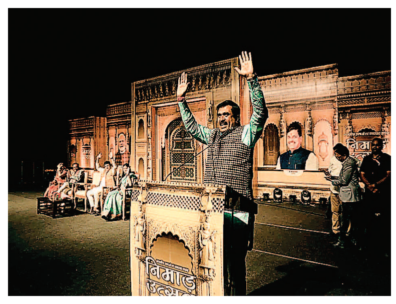

हास्य-व्यंग्य, देशप्रेम और वीररस से ओतप्रोत कविताओं का श्रोताओं ने करतल-ध्वनि के साथ आनंद लिया। काव्यपाठ के सूत्रधार विख्यात हास्यकवि श्री बुद्धिप्रकाश दाधीच थे। निमाड़ उत्सव के सफल आयोजन के लिए विधायक श्री मेव ने संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन, जिला प्रशासन, कलाकारों, प्रतिभागियों और नागरिकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि निमाड़ उत्सव के इस संस्करण ने कलाप्रेमियों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया है। कार्यक्रम में एसडीएम सुश्री पूर्वा मंडलोई, नोडल अधिकारी श्री नीरज अमझरे सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

नाग दीपावली पर उमड़ी आस्था, नागदेवता के श्रृंगार के साथ लगे छप्पन भोग, हुए भंडारे

खरगोन। मार्गशीर्ष अगहन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि मंगलवार को नाग दीपावली के रूप में मनाई गई। शहर सहित अंचल के नाग मन्दिरों में सुबह से देरशाम तक धार्मिक आयोजन किये गए। सनावद रोड जिला अस्पताल के सामने स्थित भीलट देव मन्दिर में भी भव्य श्रृंगार के साथ भंडारे का आयोजन हुआ। मन्दिर समिति सदस्यों ने बताया नागपंचमी उत्सवी माहौल में मनाई गई। मंदिर को सुसज्जित फूलों के साथ ही रंग-बिरंगी विद्युत तुलिकाओं से सजाया गया है, जो रात्रि के समय आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं सुबह बाबा का अभिषेक पूजन पर श्रृंगार किया गया। दोपहर में भंडारे प्रसादी का आयोजन में हुआ, जिसमें सैंकड़ों लोगों

ने दर्शन कर भोजन प्रसादी ग्रहण की। शाम को महाआरती के बाद आतिशबाजी भी हुई। इसी तरह शहर से करीब 5 किमी दूर श्री दामखेड़ा मंदिर प्रमुख आस्था का केंद्र रहा। मंदिर समिति अध्यक्ष नवनीतलाल भंडारी लिंबू सेठ ने बताया कि नाग दीपावली को लेकर मंदिर में विद्युत सज्जा से सजाया गया था, यहां विराजित नाग देवता का आकर्षक श्रृंगार कर छप्पन भोग लगाए गए। शाम 6 बजे महाआरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। इसके बाद आकाशीय आतिशबाजी भी की गई।

ग्रामीणों ने थाना प्रभारी और एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

कसरावद निप्र। ग्राम बालसमुद के बस स्टैंड एवं मुख्य मार्ग पर लंबे समय से फैले अस्थाई अतिक्रमण को हटाने की मांग को लेकर सोमवार को ग्रामीणों ने बड़ा कदम उठाते हुए थाना प्रभारी कसरावद के साथ-साथ एसडीएम कार्यालय में भी ज्ञापन सौंपा ।ग्रामीणों ने बताया कि मुख्य मार्ग पर मोटरसाइकिल और अन्य वाहनों के अनियमित खड़े रहने से राहगीरों को आवागमन में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ।स्थानीय लोगों के अनुसार संकरे मार्ग पर भीड़ बढ़ने से स्कूल के बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की सुरक्षा को खतरा बना हुआ है। कई बार सड़क पर जाम जैसी स्थिति बन जाती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है ।ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन से मांग की है कि मुख्य मार्ग पर लंबे समय से अस्थाई अतिक्रमण को तुरंत हटाया जाए, ताकि यातायात सुचारू रूप से चल सके और संभावित हादसों को रोका जा सके ।ज्ञापन में यह भी चेतावनी दी गई कि यदि समय पर कार्रवाई नहीं की गई और कोई अप्रिय घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी ।ग्रामीणों ने दोनों विभागों से त्वरित कार्रवाई की उम्मीद जताते हुए कहा कि समस्या का जल्द समाधान क्षेत्र की सुरक्षा और सुविधा के लिए अत्यंत आवश्यक है।

सब जेल कसरावद में श्रीमद्भागवत गीता जयंती हर्षोल्लास से मनाई

कसरावद निप्र। मप्र शासन एवं जेल मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार मंगलवार को सब जेल कसरावद में श्रीमद्भागवत गीता जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई । कार्यक्रम में गायत्री परिवार कसरावद से श्री मनोज यादव जी , श्री राजेंद्र पाटीदार जी , पीएलवी श्री अकील ख़ान , श्री देवदत्त एक्कल, जेलर धर्मवीर सिंह उमरैया तथा समस्त जेल स्टाफ़ उपस्थित रहे । कार्यक्रम में गायत्री परिवार से आए अतिथियों एवं पीएलवी श्री अकील ख़ान के द्वारा बंदियों को

संक्षेप में गीता के उपदेश सुनाए उन्होंने बताया कि गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने की कला सिखाने वाला महान ग्रंथ है। इसमें 700 श्लोक और 18 अध्याय हैं, जो भगवान श्रीकृष्ण और अर्जुन के संवाद के रूप में लिखे गए हैं। और गीता का सार यही है कर्तव्य करो, फल की चिंता मत करो। यानी हमें मेहनत पूरी ईमानदारी से करनी चाहिए, परिणाम अपने आप अच्छा होगा। गायत्री परिवार से आए अतिथियों ने भी सुविचार प्रस्तुत किए , बंदियों को सच्चाई और ईमानदारी के रास्ते पर चलने हेतु प्रोत्साहित किया ।

बिस्टान में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन संकुल स्तर पर किया

बिस्टान निप्र। सांदीपनि विद्यालय , बिस्टान में मंगलवार को सांसद खेल महोत्सव का आयोजन संकुल स्तर पर किया गया ।इससे पूर्व में विद्यालय स्तर पर सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया गया था ।इस चरण में संकुल के अन्तर्गत आने वाली समस्त स्कूलों के चयनित छात्र - छात्राओ ने बड़ चढ़ के प्रतियोगिताओं में भाग लिया। महोत्सव में सरकारी स्कूलो के साथ साथ संकुल के अन्तर्गत आने वाली प्राइवेट स्कूलो को भी आमंत्रित किया गया। जैसे- आध्या एकेडमी, रुक्मणि एकेडमी, शा.ए.मा.वि.घट्टी, शा.प्रा.वि चारण,फाल्या , एवं अन्य स्कूल महोत्सव में शामिल हुई। संकुल स्तर पर निम्न प्रतियोगिता जैसे 100मी.दौड़, 200मी. दौड़, नींबू रेस, चेयर रेस और कबड्डी प्रतियोगिता शामिल की गई। मुख्य अतिथि डेमसिंह नार्वे नगर परिषद अध्यक्ष, बंटी राठौर मंडल अध्यक्ष, राजू कोलिया, सुगनकोर जाधव , प्रहलाद वास्कले , एवं अन्य अतिथिगण मौजूद थे । प्राचार्य श्री बलराम भंवर ने बच्चो का उत्साह वर्धन किया और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।, ओमप्रकाश भालसे , चंदन जर्वे, कैलाश पाटीदार, राजेंद्र भार्गव , शिवशंकर पाटिल , एवम पीटीआई मोइन खान और समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

सांसद खेल महोत्सव का हुआ शुभारंभ : कलेक्टर की अगुवाई वाली रस्सा-कस्सी महिला टीम बनी विजेता

खरगोन। युवाओं की खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उन्हें एक बेहतर मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित बहुप्रतीक्षित सांसद खेल महोत्सव का मंगलवार को स्टेडियम मैदान में शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, विधायक बालकृष्ण पाटीदार, कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल, जिला पंचायत सीईओ श्री आकाश सिंह तथा पार्टी अध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे की उपस्थिति में संपन्न हुआ। सांसद खेल महोत्सव के जिला प्रभारी लक्ष्मण काग ने बताया कि आयोजन के पहले चरण में 2 अक्टूबर तक पंजीकरण कराए गए थे। इसके बाद स्कूल स्तर और संकुल स्तर की प्रतियोगिताएँ संपन्न हुईं। अब ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताओं का शुभारंभ खरगोन

से किया गया है। टीम की कप्तान कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल और पार्टी संगठन की महिला टीम की ब्राह्मणे के बीच रस्सा-कसी का मुकाबला हुआ। इस मुकाबले में कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल की अगवाई वाली महिला अधिकारी टीम विजेता रही। इसी प्रकार पुरुष वर्ग में हुई रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में जिला पंचायत सीईओ आकाश सिंह तथा राज्यसभा सांसद सुमेर सिंह सोलंकी के नेतृत्व में खेले गए मुकाबले का परिणाम बराबरी पर रहा। पहले दिन कबड्डी और रस्सा-कसी की प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इसमें 09 से 12 बालिका वर्ग में विजेता संकुल क्रमांक 01 खरगोन व उपविजेता संकुल लोनारा एवं 06 से 08 वर्ग में विजेता संकुल मेनगांव एवं उपविजेता स्कूल क्रमांक 2 खरगोन रहा। इसी प्रकार 06 से 08 बालक वर्ग में विजेता संकुल क्रमांक 02 खरगोन, एवं 09 से 12 वर्ग विजेता संकुल कन्या क्रमांक 01 खरगोन एवं उपविजेता संकुल लोनारा रहा। महाविद्यालय पुरुष वर्ग विजेता आईआईटी महाविद्यालय खरगोन, उपविजेता पीजी कॉलेज खरगोन रहा। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती छाया जोशी, उपाध्यक्ष श्री भोलू कर्मा, जनपद अध्यक्ष श्री संतोषी बाई,, सहायक आयुक्त आदिम जाति विभाग श्री इकबाल आदिल हुसैन, जिला शिक्षा अधिकारी श्री शैलेंद्र कानुड़े, जिला पर्यटन नोडल अधिकारी नीरज अमझरे मौजूद थे।

कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई, अधिकारियों ने सुनी 58 आवेदकों की समस्याएं

खरगोन। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 25 नवंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें अपर कलेक्टर रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर प्रताप कुमार अगास्या ने अन्य अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 48 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर आए थे। अधिकारियों ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

एक नजर में पांच वर्षों से 350 साल पुराने पेशवा कालीन जूना श्रीराम मंदिर में भव्य राम जानकी विवाह का आयोजन हो रहा है

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संतों की उपस्थिति में लगे राम जानकी के शुभ लग्न

कमलेश सिंह चौहान

मंडलेश्वर निप्र। मंगलवार को विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर अभिजीत मुहूर्त में जूना श्रीराम मंदिर में हुए राम जानकी विवाह के साक्षी बने निमाड़ के हजारों नर नारी। विगत पांच वर्षों से 350 साल पुराने पेशवा कालीन जूना श्रीराम मंदिर में भव्य राम जानकी विवाह का आयोजन हो रहा है। शुभ लग्न से पहले राम जी की वर यात्रा (बारात) जेल रोड स्थित क्षत्रिय राजपूत समाज धर्मशाला से निकली जिसमें सजी धजी बग्गी पर राजपूती परिधान और पगड़ी पहने दूल्हे के रूप में राजकुमार रामचंद्र विराजित थे ।जिनके अभिभावक के रूप में दीपक सिंह तोमर और उनकी धर्म पत्नी भी राजपूती परिधान में सजे थे ।यह वर यात्रा सुबह 09 बजे से निकली और 12 बजे मुहूर्त समय पर जूना श्रीराम मंदिर पहुंची ।लगभग 2 किलोमीटर की दूरी तय करने में बारात को तीन घंटे का समय लगा क्योंकि भगवान

का पूजन कई स्थानों पर किया गया। बारात का स्वागत घंटाघर चौक पर पंडित पंकज मेहता द्वारा किया गया। बारात में शामिल राजपूत समाज के नगर अध्यक्ष अर्जुन सिंह पटेल और संत समाज के प्रमुख संत द्वारकादास बापू एवं संतों का शाही तरीके से स्वागत किया गया। बारात में बैंड बाजे और ढोल ताशे की सुमधुर धुन पर महिलाओं और बालिकाएं जमकर नाची और युवाओं ने तलवारबाजी के करतब दिखाए। राम मंदिर परिसर में पहुंचे दूल्हे राजा श्रीराम का भव्य स्वागत महिलाओं ने किया पश्चात उन्हें फूलों से सजे मंडप में बिठाया गया ।उसके बाद मंदिर की जानकी रसोई से दुल्हन के रूप में सजी माता सीता जब मंडप में पहुंची तो भक्ति का आनंद चरम पर पहुंच गया ।अभिजीत मुहूर्त में जब वर वधु ने एक दूसरे को जय माला पहनाई तो भक्तों ने पुष्प वर्षा कर जयकारे लगाए।

रामजी के बाराती बने ये दिग्गज:- रामजी के बाराती बनाने का सौभाग्य भी इस बार कई दिग्गजों को मिला शाही बारात में राजपूत समाज नगर अध्यक्ष अर्जुन सिंह पटेल जितेन्द्र सिंह पटेल सुनील सिंह सोलंकी खराड़ी के सुरेन्द्र सिंह तोमर फिफरिया के नरेंद्र सिंह सोलंकी सैलानी के लोकेंद्र सिंह राणा महेंद्र सिंह सोलंकी मोनू सिंह सोलंकी राम चंद्र पटेल डॉ चारुल सिंह तवर डॉ अमित पाटीदार एडवोकेट रामदास शर्मा लेखक हरीश दुबे कविराज विजय जोशी सहित सैकड़ों गणमान्य शामिल थे।

बारातियों का किया फुल बरसाकर किया स्वागत:- रामजी की बारात का नगर में भव्य स्वागत किया गया जेल रोड से घंटाघर चौक तक लोगों ने बारातियों की राह में फूल बिछाए और फूल बरसाए कही मावा मिठाई तो कही चाय काफी पिलाई गई घंटा घर चौक से पहले जैन मंदिर गली में नगर परिषद द्वारा मंच लगाकर स्वागत किया गया यहां रत्नदीप मोयदे और पार्षदों ने बारातियों का स्वागत माला पहनाकर किया।

लग्न के बाद हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर किया कन्यादान:- राम जानकी विवाह के अवसर पर शुभ लग्न के पश्चात मंडप में विराजे राम जानकी को प्रणाम करने बड़ी संख्या में भक्त पहुंचे इनमें विधायक राजकुमार मेव प्रमुख थे यहां भक्तों ने कन्यादान करने का सौभाग्य भी प्राप्त किया कन्यादान में नगद राशि प्रभु के चरणों के अर्पित की गई।

एक नजर में

सीआईएसएफ को मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन (आरएसओ) बनाया

बड़वाह निप्र। भारत के बंदरगाह सुरक्षा वास्तुकला को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़े नीतिगत कदम के तहत, भारत सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय जहाज और बंदरगाह सुविधा सुरक्षा (आईएसपीएस) कोड के तहत बंदरगाह की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ को मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन (आरएसओ) बनाया है। यह कदमसरकार की उस राष्ट्रीय दृष्टि से मेल खाती है, जिसमें बंदरगाह-आधारित विकास को आगे बढ़ाना और ब्लू इकोनॉमी को देश की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख साधन बनाना शामिल है।यह सितंबर 2024 में बनी सीआईएसएफ और डीजी शिपिंग की एक संयुक्त समिति का नतीजा है, जिसने बंदरगाह सुरक्षा का पूरा अध्ययन किया, अंतर विश्लेषण किया और भारत सरकार को सुधार के उपायों पर सुझाव दिए।

नई जिम्मेदारी:- इस नयी जिम्मेदारी के तहत, सीआईएसएफ नए बंदरगाह सुविधा सुरक्षा मूल्यांकन (पीएफएसए) करेगा और बंदरगाह मंत्रालय, शिपिंग और जलमार्ग द्वारा जारी आदेश के अनुसार सभी एक्जिम बंदरगाहों के लिए बंदरगाह सुविधा सुरक्षा योजना (पीएफएसपी) विकसित करेगा। इस पहल का मकसद छोटे बंदरगाहों पर गैर-मानक सुरक्षा इंतजाम एवं लंबे समय से चली आ रही कमियों को दूर करना और ऐसी सभी जगहों पर एक डोमेन विशेषज्ञ सुरक्षा एजेंसी की निगरानी पक्का करना है।

हाइब्रिड सुरक्षा मॉडल अपनाना:- सीआईएसएफ और डीजी शिपिंग की संयुक्त समिति की पूरी जांच के बाद, एक हाइब्रिड सुरक्षा मॉडल की भी सिफारिश की गई है। इस मॉडल के तहत: सभी एक्जिम बंदरगाह पर मुख्य सुरक्षा का कार्य, सीआईएसएफ के द्वारा किया जायेगा। गैर-मूलभूत कार्य जैसे की यातायात प्रबंधन, गेट नियंत्रण और दूसरे सहायक कार्य स्टेट पुलिस, एसआईएसएफ या प्राइवेट सुरक्षा एजेंसी (पीएसए) कर सकती हैं। यह बहुस्तरीय तरीका देश के बंदरगाह पारिस्थितिकी तंत्र में जवाबदेही, दक्षता और सुरक्षा में एक जैसा सुधार करने के लिए बनाया गया है, जो जुलाई 2023 में जारी किए गए गैर-प्रमुख बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए म्हु के दिशा-निर्देशों के अनुरूप है।

पीएसए के लिए जरूरी प्रशिक्षण कार्यक्रम:- पेशेवर और मानक बंदरगाह सुरक्षा सेवा पक्का करने के लिए, एक्जिम बंदरगाह पर तैनात निजी सुरक्षा कर्मचारियों के लिए सीआईएसएफ विशेषज्ञों द्वारा चलाया जाने वाला एक जरूरी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। डीजी शिपिंग जल्द ही इस बारे में आदेश जारी कर सकते हैं। बंदरगाह सुरक्षा सेवा प्रशिक्षण का मानक वही होगा जैसे सफल उड़ान सुरक्षा प्रशिक्षण मॉडल का होता है जहाँ सीआईएसएफ , स्थानीय पुलिस और अन्य संबंधित कर्मियों को तैनाती से पहले अनिवार्य रूप से प्रमाणित होना जरूरी होता है। सीआईएसएफ और डीजी शिपिंग ने मिलकर एक विस्तृत बंदरगाह सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम पहले ही विकसित कर लिया है। जेएनपीए, मुंबई और वीओसीपीए, चेन्नई में पायलट प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक किए गए हैं, जिसमें हिस्सा लेने वाली एजेंसियों से अच्छा प्रतिक्रिया मिला है। बंदरगाह सुरक्षा पर विशेष प्रशिक्षण देने के लिए, एक खास बनाने का प्रस्ताव है। यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को एक समान बनाने, प्रमाणन प्रक्रिया को आसान बनाने और बंदरगाह सुरक्षा प्रणाली में कुशल कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद करेगा। भारत के ब्लू इकॉनॉमी के दृष्टिकोण के लिए एक रणनीतिक सक्षमकर्ता: लॉजिस्टिक्स दक्षता और एक टिकाऊ व समावेशी ब्लू इकोनॉमी भारत के बंदरगाह, हमारे देश की लॉजिस्टिक्स और सप्लाई-चेन का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये व्यापार, अर्थव्यवस्था और समुद्री संपर्क के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

एनटीपीसी खरगोन ने लगातार दूसरे वर्ष जीता 'सुरक्षा प्रणालियों में उत्कृष्टता के लिए प्लैटिनम पुरस्कार'

खरगोन। एनटीपीसी खरगोन ने परिचालन उत्कृष्टता की अपनी यात्रा में एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि जोड़ते हुए FICCI उत्कृष्ट सुरक्षा प्रणालियों का प्लैटिनम पुरस्कार (प्रथम पुरस्कार) लगातार दूसरे वर्ष प्राप्त किया। यह प्रतिष्ठित सम्मान FICCI हाउस, नई दिल्ली में भारत

सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्रदान किया गया, जिससे इस उपलब्धि का महत्व और भी बढ़ गया। यह पुरस्कार श्री शुभंकर चौधरी, अपर महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन) एवं श्री एस. एन. गवई, वरिष्ठ प्रबंधक (सुरक्षा) ने ग्रहण किया, जो पूरी खरगोन टीम की सुरक्षा मानकों को बनाए रखने और उच्चतर स्तर तक ले जाने की निरंतर प्रतिबद्धता का सम्मान है। लगातार दो वर्षों तक यह शीर्ष सम्मान अर्जित करना स्टेशन की मजबूत सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली, सक्रिय पहलों और पूरे कार्यबल की सामूहिक समर्पण भावना का प्रमाण है। यह दर्शाता है कि खरगोन के लिए सुरक्षा केवल अनुपालन नहीं, बल्कि एक मुख्य मूल्य और कार्य संस्कृति का आधार है। एनटीपीसी खरगोन सुरक्षा प्रणालियों को और सुदृढ़ करने, जागरूकता बढ़ाने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है कि हर व्यक्ति प्रतिदिन सुरक्षित घर लौटे।

शहीदी नगर कीर्तन में गुंजी हिंद की चादर की शौर्य गाथा

खरगोन। सिक्ख धर्म के 9वें गुरु श्री तेग बहादुर जी की 350वीं शहीदी शताब्दी पर मंगलवार शाम शहर में शहीदों को समर्पित नगर कीर्तन निकाला गया। तिलक पथ स्थित श्री गुरुद्वारा साहब से शाम 5ः30 बजे नगर कीर्तन की शुरुआत हुई। पंच प्यारों जसकिरत सिंह भाटिया तेजवन्त सिंह भाटिया, युवराज सिंह चावला, दीप सिंह चावला,

कुलदीप सिंह चावला एवं सेवादार पूरक सिंह चावला की अगुवाई में निकले नगर कीर्तन के दौरान सुसज्जित रथ में श्री गुरुग्रंथ साहब और श्री तेग बहादुर जी का चित्र स्थापित किया गया था। नगर कीर्तन जिस मार्ग से गुजरा रास्तेभर सनातनी धर्मावलंबियों ने नतमस्तक होकर गुरुओं का आशीर्वाद लिया। वहीं समाज के युवाओं सहित बालकों ने खालसा युद्ध कला का प्रदर्शन किया। श्री गुरुसिंघ सभा प्रधान हरचरण सिंह भाटिया एवं सेक्रेटरी कमलजीत सिंह गांधी ने बताया कि तीन दिवसीय शहीदी स्मरण कार्यक्रमों के तहत नगर कीर्तन निकाला गया। नगर कीर्तन में सबसे आगे पंच प्यारे एवं सेवादार निशान साहिब लेकर चल रहे थे स्त्री सत्संग जत्थे ने धर्म हेत साका जिनि कीआ शीश दीआ परु सिरर न दीआए धन गुरु तेग बहादुर साहिब जैसे शबद गायन कर गुरु की महिमा का बखान किया। यह कीर्तन पोस्ट ऑफिस, राधावल्लभ, जवाहर मार्ग, टीआईटी, सियाराम बाग चौराहा, सोनी प्रतिमा, बस स्टैंड, विश्वसखा कॉलोनी एमजी रोड होते हुए पुनरू श्री गुरुद्वारा साहब पहुंचा।

सजा कीर्तन दीवान:- नगर कीर्तन के बाद रात्रि में कीर्तन दीवान सजाया गयाए इसमें चंडीगढ़ से आए भाई बलबीर सिंह के जत्थे ने गुरुवाणी का जसगान कर सभी को भक्ति रस से सराबोर कर दिया। शहीदी पर्व पर श्री गुरुद्वारा साहब में सुबह से देरशाम तक धार्मिक आयोजनों के बीच लंगर सेवा चलती रही। जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर श्री गुरुग्रंथ साहब के दर्शन कर गुरु प्रसादी ग्रहण की। आयोजन में तेजिंदर सिंह सैनी, अमरजीत सिंह छाबड़ा, गुरुभजन सिंह भाटिया, मनवीर सिंह भाटिया, जसवीर सिंह भाटिया, सोनू भाटिया, राजा भाटिया, मंटू भाटिया ने सेवा निभाई।